द्वितीय विश्व युद्ध और शीत युद्ध (1939–1991)
1. द्वितीय विश्व युद्ध (1939–1945)
धुरी शक्तियाँ: जर्मनी, इटली, जापान
मित्र राष्ट्र: ब्रिटेन, सोवियत संघ, अमेरिका
मुख्य घटनाएँ:
1941 – जर्मनी का सोवियत संघ पर आक्रमण
1945 – हिरोशिमा और नागासाकी पर परमाणु बम
1945 – जर्मनी और जापान का आत्मसमर्पण
युद्ध के बाद यूरोप तबाह हो चुका था।
2. संयुक्त राष्ट्र की स्थापना (1945)
विश्व शांति के लिए संयुक्त राष्ट्र संघ (UNO) की स्थापना।
सुरक्षा परिषद की व्यवस्था।
3. शीत युद्ध (Cold War)
दो महाशक्तियाँ उभरीं:
अमेरिका (पूंजीवादी)
सोवियत संघ (समाजवादी)
1947 – ट्रूमैन सिद्धांत
1949 – NATO की स्थापना
1955 – वारसा संधि
यह वैचारिक संघर्ष था, प्रत्यक्ष युद्ध नहीं।
4. जर्मनी का विभाजन
पूर्वी जर्मनी (समाजवादी)
पश्चिमी जर्मनी (पूंजीवादी)
1961 – बर्लिन दीवार का निर्माण
5. शीत युद्ध का अंत
1985 – गोर्बाचेव के सुधार (ग्लासनोस्त, पेरेस्त्रोइका)
1989 – बर्लिन दीवार का पतन
1991 – सोवियत संघ का विघटन
👉 निष्कर्ष: शीत युद्ध ने विश्व राजनीति को दो ध्रुवों में बाँट दिया, परंतु 1991 के बाद विश्व एकध्रुवीय हो गया।